This question paper contains **4+1** printed pages]

3602

B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

RAJASTHANI SAHITYA

Paper II

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : **20**]

*Answer all questions (**50** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : **50**]

*Answer five questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*
***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part C (खण्ड 'स') [Marks : **30**]

*Answer any two questions (**300** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई - I

(*i*) मीरा जी का जन्म-स्थान कहाँ है ?

(*ii*) मीराबाई का विवाह किसके साथ हुआ ?

इकाई - II

(*iii*) गोरा-बादल चरित्र चउपई में किसका वर्णन है ?

(*iv*) हेमरत्न की किन्हीं **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

इकाई - III

(*v*) श्रीरामनाथ जी कविया का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(*vi*) 'चित में कीजे चेत, वेगो आ रसदेव व रा' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

इकाई - IV

(*vii*) 'पूत सार रे पांच, पाचु इमौनै सूंपिया' पंक्ति में आये विचार को स्पष्ट कीजिए।

(*viii*) 'ऊधो म्हारे मन की मन में रही' पंक्ति में मन में क्या रह गया ?

इकाई – V

(*ix*) 'सांकळियौ' दोहा छंद की परिभाषा लिखिए।

(*x*) 'खोड़ो दूहो' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

2. "मीरा की भक्ति एकनिष्ठ है।" इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रसंग की व्याख्या कीजिए—

आली री मेरे नयनन बान पड़ी।
चित्त चढ़ी मेरे माधुरी मूरत, उर बिच आन अड़ी।
कब की ठाडी पंथ निहारूँ, अपने भवन खड़ी।
कैसे प्राण प्रिया बन राखूँ, जीवन मूल जड़ी।
मीरां गिरधर हात बिकानी, लोग कहै बिगड़ी॥

इकाई – II

4. 'गोरा-बादल चरित्र चउपई' के ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'गोरा-बादल चरित्र चउपई' की भाषा की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।

इकाई - III

6. कृष्ण के प्रति द्रौपदी के विश्वास को सोदाहरण लिखिए।

7. कौरवों की सभा में द्रौपदी के साथ जो हुआ वह कितना उचित या अनुचित था, अपने विचार लिखिए।

इकाई - IV

8. निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

सुभट घणा सज कीधा वली, नावइं नाव घणी सांकली।
इणि परि आलिम अभु कहइ, लाख तुरी जाइ ते लहइ॥
संघल भेलइ जे उंबराइ, बिवणु तेहनइ करूं पसाउ।
महि जई जे माझी हणइ, त्रिगुण पसाउ करूं तेहनइ॥

9. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

भीखम मात अभाव, भात गंग कींकर भनै।
सो पखहीण सभाव, सेवट सिटग्यौ सांवरा॥
ससुर नहीं कोइ सास, अन्ध सभा त्रप अन्ध री।
होणहार उपहास, देखौ भीखम द्रोण रौ॥

इकाई - V

10. 'गीत' छंद को स्पष्ट कीजिए।

11. कवित्त को उदाहरण सहित समझाइये।

खण्ड - स

12. गोरा-बादल में चित्रित पद्मावती के चरित्र को सोदाहरण लिखिए।

13. 'द्रौपदी-विनय' के आधार पर कृष्ण के स्वरूप को उदाहरण सहित चित्रित कीजिए।

14. मीरा का कृष्ण-प्रेम किस रूप में वर्णित हुआ है, 'मीरां वृहत्-पदावली' के आधार पर बताइये।

15. दूहा छंद के भेद सोदाहरण लिखिए।